

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने की एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट की शुरुआत

अनुपम संदेश, फरीदाबाद।
वर्ल्ड स्ट्रोक डे के अवसर पर मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद ने एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट की शुरुआत की है। इस यूनिट में रिपीटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (rTMS) जैसी एडवांस्ड तकनीक उपलब्ध कराई गई है, जिसके जरिए बिना किसी सर्जरी के मैग्नेटिक पल्स की मदद से ब्रेन के विशेष हिस्सों की गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सकता है। इस यूनिट का उद्घाटन मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के फाउंडिंग मेंबर, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ डॉ. राजीव सिंघल ने किया। इस नई सुविधा के साथ अस्पताल ने न्यूरोसाइंसेज सेवाओं को और मजबूत करते हुए न्यूरोलॉजिकल और कुछ मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे



मरीजों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। वर्ल्ड स्ट्रोक डे न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से प्रभावित मरीजों की चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अस्पताल की नई एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट में स्ट्रोक के बाद हाथ-पैरों की गतिविधियों में कमी, मूवमेंट डिसऑर्डर, लंबे समय से बने

दर्द, माइग्रेन, टिनिटस (कानों में लगातार आवाज आना), डिप्रेशन, ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD) और निकोटीन की लत छुड़ाने में सहायक उपचार जैसी स्थितियों के लिए TMS की उपयोगिता का विशेषज्ञों द्वारा आकलन किया जाएगा। मरीज की स्थिति, उपलब्ध मेडिकल एविडेंस और व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर उपचार की उपयुक्तता तय की जाएगी।